कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. – केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें : www.cicr.org.in

अंक: 4 खंड: 7 जूलाई 20–26, 2015

क्रापसैप हेतु प्रधानमंत्री पुरस्कार

माननीय प्रधानमंत्री श्री. नरेन्द्र मोदी द्वारा कृषि आयुक्तालय, पुणे (महाराष्ट्र) को फसल कीट निगरानी और सलाहकार परियोजना (क्रापसैप), महाराष्ट्र, वर्ष 2012-13 हेतु संगठनात्मक श्रेणी के तहत लोक प्रशासन में वर्ष 2012-13 में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्रदत्त है । क्रापसैप में कृषि विभाग (महाराष्ट्र) हितधारकों; भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थानों यथा, एन.सी.आय.पी.एम., नई दिल्ली, डासेर, इंदौर, के.क.अ.सं., नागपुर, क्रीडा, हैदराबाद, आय.आय.पी.आर., कानपुर, एन.आय.पी.एच.एम., हैदराबाद; राज्य कृषि विश्वविद्यालयों अर्थात, डॉ.पी.डी.के.वी. अकोला, वी.एन.एम.ए.यू.,पर्बनी, एम.पी.के.वी., राहुरी, और बी.एस.के.के.वी.,दापोली आदि शामिल हैं । पुरस्कार विज्ञान भवन, नई दिल्ली में प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा दि. 21 अप्रैल, 2015 को आयोजित नौवें सार्वजनिक सेवाएं दिवस पर प्रदान किया गया था ।

कृषि विज्ञान केन्द्र के बीसवें वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक, के.क.अ.सं., नागपुर में आयोजित

के.क.अ.सं., नागपुर के कृषि विज्ञान केन्द्र की बीसवें वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक , के.क.अ.सं., नागपुर के सभागार में दि.22 जुलाई 2015 को आयोजित किया गया । प्रारंभ में, डॉ. आर.बी.सिंगनडुपे., कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र ने निदेशक, के.क.अ.सं., नागपुर, के.क.अ.सं., के प्रमुखों और सभी सदस्यों सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों और आमंत्रित सदस्य प्रगतिशील / नवीन किसानों का स्वागत किया । डॉ. के.आर क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं., नागपुर ने वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की ।

उन्होंने प्रौद्योगिकी निर्धारण एवं शोधन में कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका के संबंध में, एवं किसान के आर्थिक स्तर के उत्थापन, कृषि, पशुपालन, डेयरी, आदि में विस्तार शिक्षा के संबंध में विवरण दिया । अपने संबोधन में उन्होंने जैविक कृषि, अंतर- फसल, पट्टीदार खेती, रसायनों एवं उर्वरकों के अत्यधिक एवं अव्यवस्थित प्रयोग में कटौती करने के लिए आईपीएम प्रौद्योगिकियों, पर बल दिया । उन्होंने अतिरिक्त आय और मिट्टी की उर्वरता के संवर्धन के लिए एक अंतर-फसल के रूप में अरहर, सोयाबीन और अन्य तरह फलीदार फसलें जेसे डाइन्चा उगाने का सुझाव दिया । उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के कर्मचारियों से देरी हो रही मानसून की तरह प्रतिकूल जलवायु स्थिति के विरिद्ध प्रतिरोध करने के लिए जिलेवार आपात योजना तैयार करने के लिए कहा । डॉ. अप्पा चारी, प्रमुख वैज्ञानिक, ने हैदराबाद किसानों के ज्ञान और रवैया में परिवर्तन लाने के द्वारा सर्वांगीण विकास के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों को सशत करने हेतु लाइन विभागों से सलाह प्राप्त करने में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक के महत्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र की कार्य योजना में आई.सी.टी को शामिल किए जाने का सुझाव दिया । पूर्व डॉ. सिंगनडुपे, कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र ने पिछले वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक कार्रवाई की गयी रिपोर्ट प्रस्तुत किया । उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र, के.क.अ.सं., नागपुर के वर्ष 2014-15 के महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला । फिर वर्ष 2015-16 (कार्य योजना) की कार्यसूची के संबंध में पूर्णतया विचार-विमर्श किया गया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र के बीसवें वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक, के.क.अ.सं., नागपुर में आयोजित

बैठक में इनहोंने भी भाग लिया

डॉ.संध्या क्रांति, अध्यक्ष, फसल संरक्षण, के.क.अ.सं., नागपुर,
डॉ.एस.एन.रोक्डे, प्रतिनिधि, फसल उत्पादन प्रभाग, के.क.अ.सं., नागपुर.,
डॉ.वी.एस.टेकाडे, प्राध्यापक, विस्तार शिक्षा, कृषि कॉलेज, नागपुर, प्रतिनिधि, विस्तार शिक्षा के निदेशक, पी.डी.के.वी., अकोला,
डॉ.विलास खराछे, एसोसिएट अध्यक्ष, कृषि कॉलेज, नागपुर.,
डॉ.वैशाली वी.बंतिया, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विस्तार विभाग, पशु चिकित्सा कॉलेज, नागपुर,
श्रीमति.प्रणीता कुल्कर्णी, प्रदर्शन अधिकारी - द्वितीय, सी.एफ.एन.ई.यू., नागपुर,
श्री.सुधीर एन.धन्विजय, सहायक महाप्रबंधक, नागपुर,
सुश्री.जावेद बुटांगे, तकनीकी अधिकारी, डी.एस.ए.ओ. के प्रतिनिधि, सिविल लाईन, नागपुर,
डॉ.आर.डबल्यू.रेवाट्कर, पशुधन विकास अधिकारी, जिला पशुपालन अधिकारी के प्रतिनिधि, जिला परिषद, नागपुर,
श्री.एम.पी.गोस्वामी, सहायक निदेशक, सी.आय.पी.एम.सी, नागपुर,
श्री.श्रीराम डाडेल, सहायक पौध संरक्षण अधिकारी, सी.आय.पी.एम.सी, नागपुर,
श्री.अतुल आर.भूसारी, कार्यक्रम पालक दूरदर्शन केन्द्र, नागपुर,
श्रीमति.संगीता अराज्पुरे, कार्यक्रम पालक, आकाशवाणी, नागपुर,
श्री.सचिन वी.डियोटाले, अड्को, मावीम, नागपुर,
श्री.किशोर संतोष कुराड्कर, किसान, रान्मंगली ताह भिवापुर जिला, नागपुर,
श्री.महेंद्र वासुडियो कर्बारी, किसान, उबाली ताह. कल्मेश्वर, नागपुर
बैठक में के.क.अ.सं., नागपुर के सभी कृषि विज्ञान केन्द्र के कर्मचारियों ने भाग लिया ।

एन.ए.यू, नवसारी (गुजरात) ने भरूच जिला के जाम्पुसर में एन.एफ.एस.एम एच.डी.पी.एस –आई.आर.एम. परियोजना, के तहत प्रशिक्षण आयोजित किया ।

मुख्य कपास अनुसंधान केंद्र, एन.ए.यू., सूरत और क्षेत्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, एन.ए.यू. भरूच ने संयुक्त रूप से, एनएफएसएम एच.डी.पी.एस.-आई.आर.एम. परियोजना के तहत (के.क.अ.सं., नागपुर के माध्यम से प्रायोजित) सहयोग कृषि केन्द्र, के सहयोग से दि. 17 जुलाई, 2015 को जाम्पुसर में लाभार्थी किसानों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया । डॉ. बी.जी सोलंकी, अनुसंधान वैज्ञानिक, (कपास), एन.ए.यू., सूरत ने उनकी परिचयात्मक भाषण में विश्व भर में कपास की खेती की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला और एच.डी.पी.एस. के माध्यम से उत्पादकता और जीविका को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया । डॉ. सी.के पटेल, एसोसिएट अनुसंधान वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान) ने उत्पादन और उत्पादकता में स्थिरता के साथ विभिन्न देशों द्वारा अपनाई उच्च घणत्व रोपण प्रणाली पर एक संक्षिप्त भाषण देते हुए एच.डी.पी.एस. की एफ.एल.डी प्रदर्शनों के तहत अनुसरण किया जाने के प्रथाओं के पैकेज की विस्तार से व्याख्या की । डॉ. देसाई ने कपास के सामान्य या उच्च घणत्व रोपण प्रणाली में कीटनाशक प्रतिरोध प्रबंधन रणनीति को अपनाने के साथ साथ कपास कीट में प्रतिरोध विकास के खिलाफ रक्षा करने के संबंध में बल दिया । डॉ. पटेल ने विस्तार से एच.डी.पी.एस. की एफ.एल.डी प्रदर्शनों में अपनाई जाने वाली आईपीएम/आई.आर.एम. रणनीतियों के बारे में विवरण दिया । प्रो. संकट ने कपास में अंतर- फसल, और बीज उत्पादन तकनीक, विशेष रुप से वर्षा आधारित क्षेत्र में, और अंतर- फसल पर किए जानेवाले एफ.एल.डी प्रदर्शनों के रणनीतियॉ एवं ए.आई.सी.आर.पी., कपास में एन.एफ.एस.एम के तहत आवंटित बीज उत्पादन के महत्व पर प्रकाश डाला । लगभग 50 परियोजना लाभार्थीयों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। एन.ए.यू के वैज्ञानिक टीम मे क्षेत्र का दौरा किया । पूरे गुजरात ने उस समय तक लंबे समय से सूखे की अवधि का अनुभव किया । प्रशिक्षण डॉ. पटेल, परियोजना के जिला समन्वयक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हो गया था ।

एन.ए.यू, नवसारी (गुजरात) ने भरूच जिला के जाम्पुसर में एन.एफ.एस.एम एच.डी.पी.एस –आई.आर.एम. परियोजना, के तहत प्रशिक्षण आयोजित किया ।

भाग लिया बैठकों

डॉ. के.आर. क्रांति, निदेशक भा.कृ.अ.प – के.क.अ.सं., नागपुर ने 87 वें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस एवं पुरस्कार समारोह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र की राष्ट्रीय सम्मेलन में दि. 25 – 26 जुलाई, 2015 को गांधी मैदान के पास श्री. कृष्ण मेमोरियल हॉल पटना, बिहार में भाग लिया ।

निर्मित एवं प्रकाशित:	डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक:	डॉ. एस. एम. वास्निक
संपादकों:	डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम. शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन:	डॉ. एम. सबेष एवं श्री. एस. सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद:	श्रीमति. के. सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश

प्रमाण: कपास नई खोज, अंक – **4**, खंड – **7, 2015**, भा.कृ.अनु.प. – केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है ।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रोड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com